राष्ट्रीय संस्करण

दैनिक जागरण

वर्ष 3 अंक 69

मूल्य ₹6.00, नई दिल्ली, रविवार, 18 अगस्त 2019

www.jagran.com

पृष्ठ 16

हरियाणा की पैरा एथलीट दीपा मलिक को भी मिलेगा खेल रत्न >> 14

सरोकार

दिल्ली में सुरक्षित सफर की साथी महिला कैब

नई दिल्ली : दिल्ली में एक महिला के द्वारा महिलाओं के लिए शुरू की गई मोबाइल एप आधारित ऐसी कैब सेवा, जिसमें सभी चालक महिलाएं हैं। दो साल के अल्प समय में दो कारों से बढ़कर यह काफिला 17 कैब पार्टनरों तक पहुंच गया है और एनसीआर से बाहर निकलकर दूसरे शहरों में पहुंचने को तैयार है। (पेज-11)

रविवार विशेष

द्वापर का वैभव देख दंग रह जाएगी पूरी दुनिया

द्वारकापुरी : पौराणिक द्वारका नगरी के एक हिस्से बेट द्वारका (प्राचीन द्वारका का हिस्सा जो समुद्र में बने टापू पर है) तक दर्शनार्थियों को आसानी से पहुंचाने के लिए समुद्र पर केबल ब्रिज बनेगा। समुद्र के गर्भ में छिपे द्वारका जगत मंदिर को सीसीटीवी से भी देखने की व्यवस्था होगी। (पेज-11)

एम्स में भीषण आग, इमरजेंसी सेवाएं बंद

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली

- एक्स-रे मशीन में धमाके से आग लगने की आशंका, करोड़ों का नुकसान
- टीचिंग ब्लॉक से सटी इमारत से 55 मरीज दूसरी जगह शिफ्ट किए गए

दिल्ली के अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) में शनिवार शाम करीब साढ़े चार बजे अचानक आग लग गई। टीचिंग ब्लॉक की दूसरी मंजिल से शुरू हुई आग कुछ ही देर में पहली, तीसरी, चौथी और पांचवीं मंजिल तक पहुंच गई। डॉक्टरों व अन्य स्टाफ समेत करीब 50 लोगों ने बाहर भागकर जान बचाई। इमरजेंसी लैब वाली इमारत में धुआं फैलने के कारण वहां भर्ती 55 मरीजों को स्थानांतरित किया गया। इमरजेंसी सेवाएं बंद कर दी गई हैं। देर रात तक 40 दमकल गाड़ियां आग बुझाने में लगी थीं। एक कर्मचारी के मुताबिक एक्स-रे मशीन में धमाके से आग लगी और देखते ही देखते पूरी बिल्डिंग में फैल गई। करोड़ों के नुकसान का अनुमान है।

एम्स परिसर में मुख्य अस्पताल के बराबर में टीचिंग ब्लॉक की पांच मंजिला इमारत है। इस इमारत में लैब मेडिसिन और इमरजेंसी लैब डिपार्टमेंट के साथ ही कई प्रोफेसरों के ऑफिस बने हुए हैं। सैंपल कलेक्ट करने के लिए डीप-फ्रीजर भी रखे हुए हैं। यहीं एक्स-रे भी होता है। शाम करीब साढ़े चार बजे दूसरी मंजिल पर माइक्रोबायोलॉजी डिपार्टमेंट में आग लग गई। कुछ ही देर में आग बढ़ती चली गई। एम्स के सुरक्षाकर्मियों ने फायर फाइटिंग उपकरणों से काबू पाने की कोशिश की, लेकिन आग और तेज हो गई। करीब पौने पांच बजे कंट्रोल रूम को सूचना दी गई। कुछ ही देर में दमकल गाड़ियां पहुंच गईं और कर्मचारी आग बुझाने में जुट गए। आग का विकराल रूप देख दिल्ली से सभी फायर स्टेशनों से दमकल गाड़ियां मौके पर बुला ली गईं।

टीचिंग ब्लॉक के बराबर वाली बिल्डिंग में चल रहा था ऑपरेशन

जिस टीचिंग ब्लॉक में आग लगी उसके बराबर वाली बिल्डिंग में इमरजेंसी लैब है, जिसमें हड्डियों की बीमारियों से पीड़ित के मरीजों का ऑपरेशन होता है। आग लगने के वक्त भी लैब में एक मरीज का ऑपरेशन चल रहा था। धुआं बिल्डिंग में भरने लगा तो उक्त मरीज का जल्द ऑपरेशन पूरा किया गया। उसके समेत अन्य सात-आठ ऐसे मरीज जिनका एक-दो दिन पहले ही ऑपरेशन हुआ था, उन्हें समेत 55 मरीजों को दूसरी बिल्डिंग में शिफ्ट किया गया। ज्यादातर मरीजों को ओपीडी काउंटर की टिन शेड के नीचे शिफ्ट किया गया। इस दौरान कई ऐसे मरीज भी देखे गए जिनको खून चढ़ रहा था।

रेजिडेंट डॉक्टरों व नर्सों ने भी लोगों ने बचाया : टीचिंग ब्लॉक में आग लगने के बाद अफरातफरी और चीख पुकार मच गई। लोग जान बचाने के लिए इधर-उधर भागने लगे। इस दौरान रेडिजेंट डॉक्टर्स एसोसिएशन के सदस्यों और नर्सों ने लोगों की मदद की और उन्हें आग से निकाला। इन्हें इस भवन के सभी रास्ते व सुरक्षित आवागमन का तरीका पता था।

...तो ढह जाती पूरी बिल्डिंग : जिस बिल्डिंग में आग लगी थी उसके ग्राउंड फ्लोर पर 11 हजार किलोवाट का विद्युत सब स्टेशन है। वहां कई ट्रांसफामर्स रखे हैं। आग वहां तक पहुंच जाती तो भयंकर विस्फोट हो सकता था, क्योंकि ट्रांसफार्मर में अत्यधिक ज्वलनशील तेल होता है। इतने बड़े ट्रांसफार्मर के फटने से पूरी बिल्डिंग ढह जाती।

अस्पताल में आग पर काबू पाने में लाचार दिखा प्रशासन पेज>>2

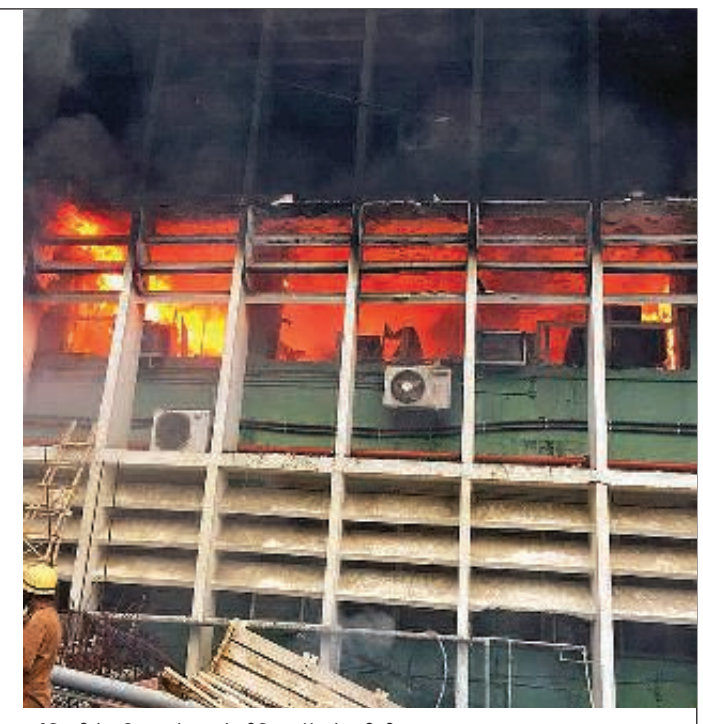

नई दिल्ली में शनिवार को एम्स के टीचिंग ब्लॉक में लगी भीषण आग। जागरण

न्यूज गैलरी

राज-नीति ▶ पृष्ठ 4

कांग्रेस में गांधी परिवार के बाहर के नेता का नेतृत्व कठिन : अधीर

कोलकाता : लोकसभा में कांग्रेस के नेता अधीर रंजन चौधरी का कहना है कि गांधी परिवार से बाहर के किसी नेता का पार्टी का नेतृत्व करना मुश्किल है। उन्होंने कहा, सोनिया गांधी पार्टी की कमान नहीं संभालना चाहती थीं, लेकिन राहुल के इस्तीफे से संगठन को संकट में देखकर उन्होंने जिम्मेदारी संभाली है।

नेशनल न्यूज ▶ पृष्ठ 6

बिहार के बाहुबली विधायक अनंत सिंह पर लगा यूएपीए

पटना : बिहार पुलिस ने घर से एके 47 और ग्रेनेड बरामदगी के मामले में बाहुबली विधायक अनंत सिंह के खिलाफ यूएपीए (गैरकानूनी गतिविधियां रोकथाम अधिनियम) की धारा 13 के तहत केस दर्ज किया है। विधायक के घर का केयरटेकर पकड़ा जा चुका है। शीघ्र ही अनंत सिंह की गिरफ्तारी हो सकती है।

बिजनेस ▶ पृष्ठ 12

श्रीलंका में महिंद्रा ने लगाई पहली असेंबलिंग यूनिट

कोलंबो : देश की अग्रणी ऑटोमोबाइल कंपनी महिंद्रा एंड महिंद्रा ने वैश्विक स्तर पर कदम बढ़ाते हुए श्रीलंका में शनिवार को पहला ऑटोमोटिव असेंबलिंग संयंत्र शुरू किया है। यह संयंत्र श्रीलंका की आइडियल मोटर्स के साथ संयुक्त उपक्रम के तहत खोला गया है। महिंद्रा का कहना है कि स्थानीय स्तर पर सोर्सिंग के साथ श्रीलंका में यह पहली बड़ी कार असेंबलिंग यूनिट है।

अंतरराष्ट्रीय ▶ पृष्ठ 13

अमेरिका ने पाक की 31.30 अरब रुपये की मदद रोकी

वाशिंगटन : अमेरिका ने पाक को दी जाने वाली आर्थिक सहायता में करीब 44 करोड़ डॉलर (भारतीय मुद्रा में करीब 31.30 अरब रुपये) की कटौती कर दी है। अब अमेरिका से उसे कुल 4.1 अरब डॉलर (करीब 2.92 खरब रुपये) की ही मदद मिल रही है। 'द एक्सप्रेस ट्रिब्यून' की रिपोर्ट के मुताबिक, यह आर्थिक मदद पाकिस्तान इनहेंस पार्टनरशिप एग्रीमेंट (पीपा) 2010 के तहत दी जाती थी।

भारत का जवाब, ढेर किए पाकिस्तान के दो अधिकारी और पांच सैनिक

कार्रवाई ▶ पाक की तीन चौकियां भी हुईं तबाह, राजौरी में तैनात लांस नायक हुआ शहीद

शनिवार सुबह सीमा पार से राजौरी और पुंछ में मोर्टार से की गई गोलाबारी

जागरण संवाददाता, राजौरी

जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद-370 हटने के बाद विश्व में अलग-थलग पड़ी पाकिस्तानी सरकार और उसकी सेना बौखला गई है। शनिवार सुबह पाक सेना ने जम्मू संभाग के राजौरी जिले की नौशहरा तहसील के कलाल और पुंछ के मनकोट सेक्टर में भारी गोलाबारी की। नौशहरा में भारतीय सेना के एक लांस नायक शहीद हो गए। इसके बाद भारत ने जवाबी कार्रवाई करते हुए पाक सेना की तीन चौकियां तबाह कर दीं। इस कार्रवाई में पाक सेना के दो अफसरों और पांच सैनिकों के मारे जाने की सूचना है। देर शाम तक नियंत्रण रेखा पर गोलाबारी जारी रही।

रिहायशी क्षेत्रों पर भी दागे मोर्टार : जानकारी के अनुसार, शनिवार सुबह पाक सेना ने एकाएक नौशहरा सेक्टर में गोलाबारी शुरू कर दी। पाक सेना ने सैन्य चौकियों को निशाना बनाने के साथ-साथ रिहायशी क्षेत्रों पर भी मोर्टार दागना शुरू कर दिया। इस दौरान सीमा पर तैनात भारतीय सेना के लांस नायक संदीप थापा गंभीर रूप से घायल हो गए। इस पर वहां मौजूद अन्य जवानों ने घायल लांस नायक को पास के सैन्य अस्पताल पहुंचाया। जहां उपचार के दौरान वह शहीद हो गए। 35 वर्षीय संदीप थापा मूलरूप से उत्तराखंड के सहसपुर के राजवाला गांव के मूल निवासी थे।

भारतीय सेना ने की जोरदार जवाबी कार्रवाई : इसके बाद भारतीय सेना ने जोरदार जवाबी कार्रवाई शुरू की। इसमें पाकिस्तानी सेना की तीन चौकियां पूरी तरह से नष्ट हो गई, जबकि छह से सात जवानों के मारे जाने की सूचना है। बताया जा रहा है कि इनमें दो अधिकारी हैं। वहीं, पुंछ के मनकोट सेक्टर में भी पाकिस्तानी सेना भारी गोलाबारी को जारी रखे हुए है। इस सेक्टर में भी पाक सेना को भारतीय सेना द्वारा मुंहतोड़ जवाब दिया जा रहा है। दोनों ओर से हो रही गोलाबारी के चलते सीमा पर भारी तनाव है।

स्वतंत्रता दिवस पर भी की थी गोलाबारी: 15 अगस्त को भी पाक सेना ने पुंछ की कृष्णा घाटी सेक्टर में भारी गोलाबारी की थी। इसके बाद भारतीय सेना की जवाबी कार्रवाई में चार पाकिस्तानी फौजी ढेर हो गए थे, जबकि कई बंकर भी तबाह हुए थे। सूत्रों के अनुसार, पाकिस्तान सेना आतंकियों को भारतीय क्षेत्र में दाखिल करवाने के लिए ही बार-बार संघर्ष विराम का उल्लंघन कर रही है।

राजौरी में शनिवार को भारतीय सेना ने सरहद पर पाकिस्तानी सेना की गोलीबारी के जवाब में उसकी सैन्य चौकी को तबाह कर दिया। एएनआइ

शहीद लांस नायक संदीप थापा (फाइल)

कश्मीर में टेलीफोन, जम्मू में मोबाइल और 2जी इंटरनेट बहाल पेज>>5

बैंकों की ओर से भी मिल रहे मंदी के संकेत

जयप्रकाश रंजन, नई दिल्ली

अर्थव्यवस्था के कई सारे क्षेत्र से जो मंदी के संकेत मिल रहे हैं वे आने वाले दिनों में और बिगड़ेंगे, ऐसी आशंका हाल के दिनों में कुछ प्रमुख आर्थिक थिंक टैंक ने जताई है, लेकिन शुक्रवार को भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआइ) की तरफ से जारी बैंकिंग कर्ज के आंकड़ों से यह आशंका सच होती लग रही है। चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में उद्योग जगत को मिलने वाले कर्ज में 2.6 फीसद की गिरावट हुई है। 18 में से 16 उद्योग ऐसे हैं, जिनमें कर्ज की रफ्तार कम हुई है। साफ है कि उद्योग जगत कारोबार बढ़ाने के लिए नया कर्ज नहीं ले रहा है। ऐसे में औद्योगिक सुस्ती गहराने के आसार हैं।

आरबीआइ का डाटा बताता है कि जैसे-जैसे रेपो रेट में कटौती की गई और कर्ज को सस्ता बनाने का रास्ता खोला गया, उद्योग की तरफ से कर्ज की मांग भी कम होती गई। इस वर्ष फरवरी से जून के बीच आरबीआइ ने बाजार में कर्ज सुलभ कराने के लिए रेपो रेट में 75 आधार अंकों (0.75 फीसद) की कटौती की है। वैसे, बैंकों की तरफ से कर्ज की दरों में 30 आधार अंकों का फायदा ही ग्राहकों को दिया गया है। इसके बावजूद पर्सनल लोन में सिर्फ 1.5 फीसद की वृद्धि हुई है। कंज्यूमर गुड्स उद्योग के लिए कर्ज में 8.3 फीसद, ऑटो लोन में 0.9 की गिरावट हुई है जबकि हाउसिंग लोन में 2.3 फीसद का इजाफा हुआ है। सूक्ष्म व लघु उद्योगों को दिए जाने वाले कर्ज में 2.5, मझोले उद्योगों में 1.2 और बड़े उद्योगों को 2.6 फीसद की गिरावट हुई है। रत्न व आभूषण, विनिर्माण, चमड़ा, कागज, टैक्सटाइल जैसे तमाम उद्योगों ने कर्ज लेना कम कर दिया है। ये उद्योग ना सिर्फ निर्यात के लिहाज से बेहद अहम हैं बल्कि सबसे ज्यादा रोजगार सृजन भी करते हैं।

आरबीआइ का डाटा

- पहली तिमाही में बैंकिंग कर्ज में 1.5 फीसद की गिरावट
- उद्योग क्षेत्रों को मिलने वाले कर्ज में 2.6 फीसद की गिरावट

सीएमआइई का डाटा

- जीडीपी के मुकाबले निजी क्षेत्र का पूंजीगत खर्च 35 फीसद से घटकर 0.5 फीसद पर आया

मौजूदा आर्थिक हालात में नए निवेश लाना है बड़ी चुनौती पेज>>12

एमबीबीएस के बाद ओडिशा छोड़ा तो देना होगा दो करोड़

जागरण संवाददाता, भुवनेश्वर

ओडिशा के अस्पतालों में डॉक्टरों की कमी को दूर करने के लिए नवीन पटनायक सरकार ने बड़ा कदम उठाया है। सरकार की ओर से सूबे के सरकारी मेडिकल कॉलेजों में पढ़ाई करने वालों छात्र-छात्राओं के लिए बनी स्वास्थ्य बांड नीति में परिवर्तन किया गया है। इसके तहत राज्य में मेडिकल की पढ़ाई करने वाले विद्यार्थी अगर ओडिशा से बाहर जाना चाहेंगे तो उन्हें डेढ़ से दो करोड़ रुपये का बांड भरना होगा। पहले 36 लाख रुपये जमा करने का प्रावधान था। साथ ही सरकार ने राज्य में विशेष पदों पर तैनात डॉक्टरों की सेवानिवृत्त आयु को भी 68 की जगह 70 साल कर दिया है।

राज्य के स्वास्थ्य मंत्री नवकिशोर दास ने बताया कि अस्पतालों में चिकित्सकों की कमी को देखते हुए मेडिकल की पढ़ाई के बाद विद्यार्थियों को राज्य में ही नौकरी करने के लिए प्रोत्साहित करने के लिए सरकार ने यह कदम उठाया है। ओडिशा के सरकारी मेडिकल कॉलेजों से एमबीबीएस करने के बाद जो छात्र-छात्राएं पीजी करने के लिए राज्य के बाहर जाना चाहेंगे उन्हे सरकार के पास डेढ़ करोड़ रुपये का बांड जमा कराना होगा। जो विद्यार्थी सुपर स्पेशलिटी कोर्स करने के लिए जाएंगे उन्हे 2 करोड़ रुपये देकर जाना होगा।

दास ने कहा, पहले 36 लाख रुपये जमा करके जाना होता था। इसलिए सरकारी मेडिकल कॉलेजों में एमबीबीएस करने के बाद बहुत सारे विद्यार्थी बाहर चले जाते थे। इससे राज्य में डॉक्टरों का निरंतर अभाव बना रहताा है। उन्होंने कहा, राज्य के विभिन्न मेडिकल कॉलेजों में इसी साल के नामांकन के बाद इस नई नीति को लागू किया जाएगा।

सरकार का निर्णय

- सूबे में चिकित्सकों की कमी के मद्देनजर स्वास्थ्य बांड नीति में बदलाव
- विशेष पदों पर तैनात चिकित्सकों की सेवानिवृत्त आयु में दो वर्ष की वृद्धि

अलवर में फिर उन्मादी हिंसा का शिकार हुआ एक युवक

जागरण संवाददाता, जयपुर : उन्मादी हिंसा (मॉब लिंचिंग) के लिए पूरे देश में बदनाम अलवर जिले में एक और मामला सामने आया है। जिले के किशनगढ़बास थाना क्षेत्र के मुसखेड़ा गांव में शुक्रवार देर रात एक युवक को चोर समझ ग्रामीणों ने पकड़ लिया और फिर लोहे के एंगल से बांध दिया और जमकर पीटा। मौके पर पहुंची पुलिस युवक को थाने ले आयी और पूछताछ के बाद उसे घर भेज दिया।

किशनगढ़बास के थानाध्यक्ष मोहन सिंह गुर्जर ने बताया कि मुसखेड़ा गांव में ग्रामीणों द्वारा पकड़ा गया युवक मुबारिक खान है। उसने पूछताछ में बताया कि वह गांव में अपने रिश्तेदार के यहां गया था, लेकिन ग्रामीणों ने चोर समझकर उसे पकड़ लिया और फिर मारपीट की। इस मामले में पीड़ित और ग्रामीणों की ओर से कोई रिपोर्ट दर्ज नहीं कराई गई है। ऐसा लग रहा है कि पहलू खान और हरीश जाटव के मामलों से जूझ रही पुलिस इस मामले को तूल नहीं देना चाहती थी, इसलिए उसने युवक को उसके घर भेज दिया।

आइएलएंडएफएस मामले में पहला आरोपपत्र दाखिल, 570 करोड़ की संपत्तियां हुईं कुर्क

- दिल्ली, मुंबई, चेन्नई और ब्रसेल्स स्थित कई अचल संपत्तियों को भी कुर्क करने के प्राथमिक आदेश जारी

नई दिल्ली, प्रेट्र : आइएलएंडएफएस के ऋण भुगतान में चूक के मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने अपना पहला आरोपपत्र दायर कर दिया है। जांच एजेंसी पहले ही इस मामले में 570 करोड़ की संपत्तियां कुक कर चुकी है। अफसरों ने शनिवार को इसकी जानकारी दी। उन्होंने बताया कि आने वाले समय में ईडी इस मामले में और आरोपपत्र दायर कर सकती है।

अधिकारियों ने बताया कि मनी लांड्रिंग एक्ट के तहत मुंबई में विशेष कोर्ट के समक्ष शुक्रवार को आरोपपत्र दायर किया गया। ईडी कई संपत्तियों, बैंक खातों तथा दिल्ली, मुंबई, चेन्नई और ब्रसेल्स स्थित कई अचल संपत्तियों को भी कुर्क करने के प्राथमिक आदेश जारी कर चुकी है। ये अचल संपत्तियां वाणिज्यिक और आवासीय हैं तथा आइएलएंडएफएस फाइनेंशियल सर्विसेज लिमिटेड के निदेशकों रवि पार्थसारथी, रमेश बावा, हरि शंकरन, अरुण साहा और रामचंद करुणाकरन के पास हैं। बता दें कि एजेंसी साहा और करुणाकरन को जून में ही गिरफ्तार कर चुकी है।

अधिकारियों ने कहा कि एयरसेल के संस्थापक सी. शिवशंकरन द्वारा अपने परिजनों तथा समूह की कंपनियों के नाम पर परोक्ष तौर पर रखी गई कुछ संपत्तियों को भी कुर्क किया गया है। कुर्क की गई संपत्तियों का कुल मूल्य करीब 570 करोड़ रुपये है। बता दें कि ईडी ने इस मामले में मनी लांड्रिंग कानून के तहत इस वर्ष फरवरी में मामला दर्ज किया था। उनके खिलाफ यह मामला दिल्ली पुलिस की आर्थिक अपराध शाखा द्वारा दायर प्राथमिकी के आधार पर दायर किया गया था।

ईडी ने कोर्ट में दायर अपने आरोपपत्र में कहा कि आइएलएंडएफएस का वरिष्ठ प्रबंधक एवं अधिकारी कमीशनखोरी -जैसे गैरकानूनी कृत्य में लिप्त था तथा कंपनी की लागत पर उसने निजी फायदा कमाया। एजेंसी ने कहा, 'आपस में तथा विभिन्न निजी निकायों के प्रमोटरों के साथ आपराधिक साठगांठ के जरिये वे स्थापित नियमों के उल्लंघन में लिप्त थे तथा पहले से कर्ज में फंसी कंपनियों को उन्होंने और बड़े कर्ज दिए। ये कर्ज ऐसी कंपनियों को भी दिए गए जो पहले ही उसकी सहायक कंपनी आइएफआइएन से लिए कर्ज के भुगतान में चूक कर चुकी थीं।'

जांच एजेंसी ने कहा, 'उन्होंने यही आपराधिक तरीका अपनाते हुए शिवशंकरन के साथ साजिश की। शिवा ग्रुप की कंपनियों को कथित तौर पर गलत तरीके से दिए गए कर्जों में से अभी 494 करोड़ रुपये की वसूली नहीं हो सकी है।' ईडी ने कहा कि वित्त वर्ष 2015-16 से 2017-18 के दौरान आइएफआइएन का प्रदर्शन नकारात्मक रहा, लेकिन इसके बाद भी प्रबंधन के वरिष्ठ लोगों को कंपनी के कार्य प्रदर्शन पर आधारित भुगतान, डेप्यूटेशन खर्च और कमीशन में भारी वृद्धि की गई।

प्रवर्तन निदेशालय ने हरियाणा की कंपनी की 261 करोड़ की संपत्ति कुर्क की पेज>>3

गरिमापूर्ण

यूएनएससी बैठक के बाद चीन-पाक के प्रतिनिधियों ने मैदान छोड़ा, लेकिन डटे रहे भारतीय प्रतिनिधि, पाक पत्रकार ने पूछा- कब शुरू होगी वार्ता, हाथ मिलाकर बोले- आपसे ही करने दीजिए शुरुआत

कूटनीतिक कौशल संग अकबरुद्दीन ने पेश की भारतीयता की मिसाल

संयुक्त राष्ट्र, एजेंसियां : जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 हटाने के मसले पर संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) की बंद कमरे में हुई अनौपचारिक बैठक के दौरान कूटनीतिक कौशल दिखाने के बाद संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी प्रतिनिधि सैयद अकबरुद्दीन ने प्रेस कांफ्रेंस में पाकिस्तानी पत्रकारों से हाथ मिलाकर भारतीयता की मिसाल भी पेश की। कूटनीतिक नीरसता के विपरीत वह पत्रकार वार्ता में राजनेताओं की तरह विनोदप्रिय और मिलनसार दिखे। सोशल मीडिया में उनके शांत, सौम्य और गरिमापूर्ण व्यवहार की जमकर सराहना हो रही है।

यूएनएससी की एक घंटे चली बैठक के बाद संयुक्त राष्ट्र में चीन के राजदूत झांग जुन और पाकिस्तानी प्रतिनिधि मलीहा लोधी ने अपने बयान पढ़े और बिना सवालों का जवाब दिए चले गए। इसके बाद अकबरुद्दीन आए और भारत का रुख स्पष्ट करने के बाद पत्रकारों से कहा, 'अगर आपमें से कोई सवाल पूछना चाहता है तो एक सच्चे लोकतंत्र का प्रतिनिधि होने के नाते मैं तैयार हूं। मैं यहां आए अपने दोनों पूर्ववर्तियों से पांच गुना ज्यादा सवालों के जवाब दूंगा।' इसके बाद उन्होंने पहले पूछने का मौका पाक पत्रकारों को दिया।

संयुक्त राष्ट्र में पत्रकार वार्ता के दौरान सैयद अकबरुद्दीन कुछ इस अंदाज में दिखे। (फाइल फोटो) एएनआइ

एक वरिष्ठ पाकिस्तानी पत्रकार ने पूछा, 'आप पाक के साथ बातचीत कब शुरू करेंगे?' इस पर अकबरुद्दीन ने कहा, 'आपके पास आकर मुझे ही इसकी शुरुआत करने दीजिए।' इसके बाद वह मंच से उतरकर पाकिस्तानी पत्रकारों के पास पहुंचे और मुस्कराते हुए उनसे हाथ मिलाया। इसके बाद कहा, 'हम यह कहकर पहले ही दोस्ती का हाथ बढ़ा चुके हैं कि हम शिमला समझौते पर प्रतिबद्ध हैं। अब पाक की ओर से जवाब का इंतजार है।' एक पत्रकार ने सवाल किया, 'पड़ोसियों के बीच कोई संवाद क्यों नहीं है? भारत ने वार्ता के अनुरोध का कोई जवाब क्यों नहीं दिया?' इस पर अकबरुद्दीन ने कहा, 'वार्ता शुरू करने के लिए आतंकवाद को रोकिए। जब देश आपस में बात करते हैं तो उसका सामान्य कूटनीतिक तरीका होता है, लेकिन सामान्य देश अपना मकसद हासिल करने के लिए आतंकवाद का इस्तेमाल नहीं करते। जब आतंकवाद फलफूल रहा हो तो कोई भी लोकतांत्रिक देश वार्ता के लिए तैयार नहीं होगा।' इस दौरान उन्होंने अपने राजनयिक करियर में पाकिस्तान के रहे साथ अनुभवों को भी याद किया। उन्होंने कहा, 'मैं इस्लामाबाद गए कई प्रतिनिधिमंडलों का सदस्य रहा हूं। मैं खुद इस्लामाबाद में भारतीय राजनयिक के तौर पर काम कर चुका हूं।' एक पाकिस्तानी पत्रकार को तो अकबरुद्दीन ने अपनी हाजिरजवाबी से उसके ही सवाल में घेर लिया। जैसे ही पाकिस्तानी पत्रकार ने अनुच्छेद 370 का जिक्र करते हुए कहा, 'यह भारत का अंदरूनी मसला हो सकता है...' इस पर अकबरुद्दीन ने तत्काल कहा, 'यह मानने के लिए धन्यवाद।'

पत्रकार ने अपना सवाल जारी रखते हुए कहा, 'अनुच्छेद 370 को भारतीय संविधान में प्रतिष्ठापित किया गया था...' अकबरुद्दीन ने फिर कहा, 'धन्यवाद, भारत द्वारा (प्रतिष्ठापित)।' जब पत्रकार ने कहा, कश्मीर में लगाए गए प्रतिबंध सच्चे लोकतंत्र के रूप में भारत की छवि को धूमिल करते हैं। अकबरुद्दीन ने कहा, 'लोकतंत्र की समृद्धि के लिए लोक व्यवस्था जरूरी है। लोक व्यवस्था के बिना लोकतंत्र कार्य नहीं कर सकता। वहां कुछ प्रतिबंध लगाए गए हैं, हम इसे स्वीकार करते हैं और उनमें ढील भी दी जा रही है।'

मुंह की खाने के बावजूद बाज नहीं आएंगे पाकिस्तान और चीन पेज>>13

मुस्लिम राष्ट्रीय मंच उत्तराखंड में स्थापित करेगा राष्ट्रवादी मदरसा

नेमिष हेमंत, नई दिल्ली

- देहरादून के पास प्रस्तावित मदरसे में 500 छात्रों के लिए होगी सुविधा

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ से प्रभावित मुस्लिम राष्ट्रीय मंच (एमआरएम) जल्द ही राष्ट्रवाद की शिक्षा देने वाले मदरसे की स्थापना करेगा। यह मदरसा उत्तराखंड की राजधानी देहरादून के पास खोला जाएगा। इसके लिए जरूरी प्रक्रिया शुरू हो गई है। तकरीबन तीन एकड़ जमीन इसके लिए उपलब्ध है। औपचारिकताएं पूरी होने के बाद नवंबर से मदरसे के भवन का निर्माण कार्य शुरू होने की संभावना है। इसमें तकरीबन 500 छात्रों के पढ़ने और रहने की व्यवस्था होगी। एमआरएम की योजना इसी तरह के मदरसे प्रयागराज व हैदराबाद जैसे शहरों में भी स्थापित करने की है।

एमआरएम के अध्यक्ष अफजाल अहमद ने बताया कि देश में मदरसों की शिक्षा को अच्छा नहीं माना जाता है। वहां धार्मिक शिक्षा में कट्टरता को बढ़ावा दिए जाने का आरोप लगता है। ऐसे में मुस्लिम छात्रों को राष्ट्रवाद और आधुनिक शिक्षा से जोड़ने के लिए आधुनिक मदरसों के स्थापना की दिशा में काम किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि इन मदरसों में कक्षा 1 से 12 वीं तक के छात्रों की पढ़ाई होगी। इसमें धार्मिक व आधुनिक शिक्षा की पढ़ाई के साथ राष्ट्रवाद का पाठ भी पढ़ाया जाएगा। जरूरी औपचारिकताओं के लिए उत्तराखंड मदरसा बोर्ड से संपर्क किया गया है। उन्होंने बताया कि इस मदरसे का संचालन एमआरएम और स्थानीय लोगों की समिति करेगी, जबकि इसके निर्माण में जागरूक मुस्लिम समाज के लोगों के साथ संगठन से जुड़े लोग आगे आ रहे हैं।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रचारक इंद्रेश कुमार के मार्गदर्शन वाले मुस्लिम राष्ट्रीय मंच को मुस्लिम समाज में सुधार आंदोलन के लिए जाना जाता है। तीन तलाक को इस संगठन ने मुखर तरीके से उठाया था। यह संगठन देश में टकराव को खत्म करने के लिए राममंदिर निर्माण के पक्ष में भी है।